

रजिस्ट्री सं. डी. (जी.एन.)-127

REGISTERED NO. D. (D.N.) 127



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 569]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 1, 1988/कार्तिक 10, 1910

No. 569]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 1, 1988/KARTIKA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1988

अधिसूचना

274/88-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 1051(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व  
का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ  
पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क

2780 GI/88

(1)

की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 52 54 या 55 के अंतर्गत आने वाले सूती कपड़े और कृत्रिम कपड़ों को उन पर केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 3 और अतिरिक्त उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उदग्रहणीय समस्त उत्पादशुल्क से छूट देती है :

परंतु यह तब जबकि—

(1) इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट केवल ऐसे कपड़ों की बाबत लागू होगी जिन्हें कारागार में बुना जाता है और जो कारागार से बाहर किसी स्वतंत्र प्रसंस्कारक द्वारा और प्रसंस्करण के अधीन हैं ।

(2) कारागार महानिरीक्षक या इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र का कोई अधिकारी जैसी भी स्थिति हो, इस आशय का प्रमाणपत्र दे देती है कि ऐसे कपड़े को कारागार में बुना गया है और कारागार से बाहर और प्रसंस्करण के लिए किसी स्वतंत्र प्रसंस्कारक को भेजा गया है ।

(3) उक्त प्रसंस्कारक द्वारा ऐसे कपड़े की बाबत पृथक खाता रखा जाता है; और

(4) उक्त स्वतंत्र प्रसंस्कारक इस आशय का प्रमाणपत्र या साक्ष्य 90 दिन या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क कलेक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करता है कि उक्त कपड़े प्रसंस्करण के पश्चात् उस कारागार को लौटा दिए गए हैं जिससे ये प्राप्त किए गए थे ।

[फा. सं. 357/25/88-टी.आर.यू.]

गौतम रे,  
अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st November, 1988

NOTIFICATION

No. 274/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1051(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is

necessary in the public interest so to do, hereby exempts cotton fabrics and man made fabrics falling within Chapter 52, 54 or 55 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon both under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and the Additional Duties of Excise (Goods of Special importance) Act, 1957 (58 of 1957) :

Provided that—

(1) the exemption contained in this notification shall apply only in respect of such of the fabrics which are woven in a prison and are subjected to further process outside the prison by an independent processor;

(2) a certificate to the effect that such fabrics have been woven in a prison and have been sent for further processing to an independent processor outside the prison is given by the Inspector General of the Prisons or an officer duly authorised by him on this behalf in the Government of the State or the Union territory as the case may be;

(3) a separate account is maintained in respect of such fabrics by the said independent processor; and

(4) the said independent processor produces a certificate or evidence to the Assistant Collector of Central Excise within a period of 90 days or such extended period as may be permitted by the Collector of Central Excise, to the effect that the said fabrics have been returned after processing to the prison from which the fabrics were received.

[F. No. 357/25/88-TRU]  
GAUTAM RAY, Under Secy.

